बेटे जोरावर के साथ बच्चा बने शिखर धवन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। घातक कोरोना वायरस का असर दुनियाभर में हो रहा है और खेल जगत भी इससे प्रभावित हुआ है। ज्यादातर क्रिकेट सीरीज और टूर्नामेंट स्थगित होने के कारण क्रिकेटर परिवार संग समय बिता रहे हैं। इसी बीच भारतीय स्टार ओपनर शिखर धवन ने भी एक विडियो गुरुवार को इंस्टाग्राम पर शेयर किया जिसमें वह अपने बेटे जोरावर के साथ मस्ती करते दिख रहे हैं।

धवन इस विडियो में अपने बेटे के साथ बच्चा बने नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसी के साथ एक मेसेज भी लिखा है। उन्होंने लिखा, स्थिति काफी तनाव में है लेकिन सबसे अहम है कि घबराएं नहीं, सावधानी बरतें और अपने

विडियो शेयर कर लिखा कोरोना से बचाव के लिए मेसेज

परिवार के साथ कुछ समय बिताएं, खुशियां फैलाएं और पॉजिटिव रहें। यही आपके सभी प्रियजनों को फिलहाल चाहिए।

भारत में कोरोना वायरस के कारण लोग परेशान हैं और अब तक 150 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। क्रिकेट जगत की बड़ी हस्तियां सोशल मीडिया पर लोगों को जागरुक कर रही हैं। इससे पहले दिग्गज बल्लेबाज वीरेंदर सहवाग ने भी एक विडियो शेयर किया था जिसमें उन्होंने कोरोना से बचाव का मेसेज भी दिया था।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज को फिलहाल के लिए रद्द कर दिया गया है। वहीं, आईपीएल को भी 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

कोरोना वायरस से जंग का टेस्ट क्रिकेट तरीका

सावधानी

सचिन तेंडुलकर ने बताया महामारी को हराने का तोड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंडुलकर कोरोना वायरस के भय में जी रहे लोगों को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कई विडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लोगों को इस वायरस से बचने या यूं कह लें लड़ने के लिए उपाय सुझाए थे। इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कोविड–19 से लड़ने के लिए हमें क्रिकेट के सबसे पुराने फॉर्मेट टेस्ट से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, क्रिकेट एक अनोखा खेल है। अधिकांश खेलों को प्रशंसकों को आकर्षित करने के लिए अन्य खेलों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं, लेकिन क्रिकेट स्वयं के संस्करणों के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। फटाफट क्रिकेट यानी टी–20 के उदय के बाद टेस्ट क्रिकेट की प्रासंगिकता को लेकर बहुत बहस हुई है। अब जबकि

दुनिया कोविड–19 महामारी से लड़ रही है तो शायद हम सभी को क्रिकेट के पुराने प्रारूप टेस्ट से सीख लेनी चाहिए।

टेस्ट की तरह कोरोना के खिलाफ धैर्य की जरूरतः टेस्ट क्रिकेट से सीखने वाली बात के बारे में बात करते हुए महान क्रिकेटर ने कहा– टेस्ट क्रिकेट आपको उस सम्मान से पुरस्कृत करता है जिसे आप समझ ही नहीं पाते। यह आपको धैर्यवान बनाता है। जब आप पिच की स्थिति या गेंदबाज को नहीं समझते हैं, तो रक्षा ही आक्रमण का सबसे अच्छा तरीका बन जाता है। अगर हमें कोरोना से अच्छी तरह से बचाव करना है तो धैर्य हमें चाहिए। एक पेशेवर क्रिकेटर और उससे आगे के जीवन में मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा कुछ देखूंगा। भारत में और विश्व स्तर पर क्रिकेट पूरी तरह से रुक–सा आ गया है।

किसी चूक की गुंजाइश नहींः उन्होंने वायरस के खिलाफ एक टीम की तरह मिलकर लड़ने की बात कही। उन्होंने कहा– टी–20 में कोई एक खिलाड़ी मैच पलट सकता है, लेकिन टेस्ट में ऐसा नहीं है। वहां आपको साझेदारी और टीम वर्क की जरूरत होती है। अगर एक बल्लेबाज आसानी से ओवरों का सामना करता है तो रन बना सकता है, लेकिन दूसरे छोर पर अन्य विकेट गिर जाते हैं तो पारी ढह जाएगी। यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सबक है। कोरोना वायरस एक ऐसी बीमारी है, जिसे दुनिया अभी तक समझ नहीं पाई है। हम उन देशों में बढ़ते संक्रमण और घातक परिणाम देख रहे हैं, जिन्होंने सही समय पर आवश्यक सावधानी नहीं बरती।

यूनान ने तोक्यो को सौंपी ओलिंपिक मशाल, बंद दरवाजों में आयोजित हुआ कार्यक्रम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एथेंस। यूनान ने कोरोना वायरस महामारी के कारण ओलिंपिक को स्थगित करने की अपीलों के बीच गुरुवार को यहां बंद दरवाजों के अंदर आयोजित किए गए समारोह में तोक्यो 2020 के आयोजकों को ओलिंपिक मशाल सौंपी। दर्शकों की गैरमौजूदगी में ओलिंपिक जिम्नेस्ट चैंपियन लेफ्टेरिस पेट्रोनियास ने मशाल लेकर दौड़ लगाई।

ओलिंपिक पोल वॉल्ट चैंपियन कैटरीना स्टेफनिडी ने पैनथैनेसिक स्टेडियम के अंदर ओलिंपिक 'अग्निकुंड' को प्रज्वलित किया। इसी स्टेडियम में 1896 में पहले आधुनिक ओलिंपिक खेल हुए थे।

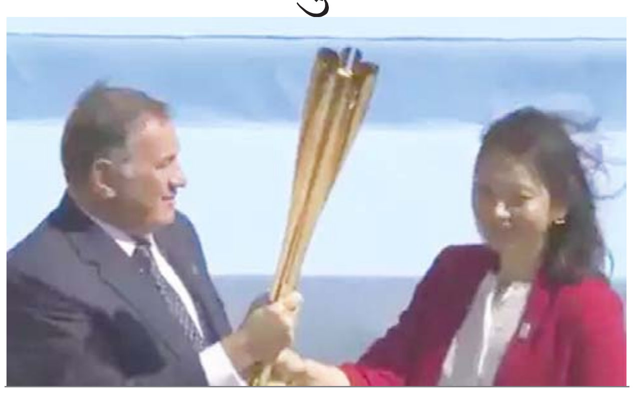

इसके बाद यह मशाल तोक्यो 2020 के प्रतिनिधि नाओको इमोतो को सौंप दी गई। इमोतो तैराक हैं और उन्होंने 1996 अटलांटा ओलिंपिक खेलों में हिस्सा लिया था। यूनिसेफ की प्रतिनिधि इमोतो को आखिरी क्षणों में नियुक्त किया गया क्योंकि वह यूनान में रहती हैं ओर उन्हें जापान से यात्रा करने की जरूरत नहीं पड़ी।

पिछले सप्ताह प्राचीन ओलंपिया में मशाल प्रज्जवलित करने का समारोह भी दर्शकों के बिना आयोजित किया गया था।

बिकने जा रहा महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न का लग्जरी घर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न ने मेलबर्न स्थित अपना घर बेचने का फैसला लिया है। इस दिग्गज खिलाड़ी ने इस घर को 2018 में एस्सेनडन फुटबॉल क्लब के दिग्गज मैथ्यू लॉयड से करीब 5.4 मिलियन डॉलर यानी लगभग 40 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस घर की नीलामी अगले महीने 4 अप्रैल को होगी।

घर बात करें तो आपको तो पता ही होगा कि 145 टेस्ट में 708 विकेट लेने वाले शेन वॉर्न लग्जरी लाइफ के लिए मशहूर हैं। उसी तरह उनका यह घर भी है। मेलबर्न स्थित इस घर में आधुनिक सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। बाथरूम अटैच्ड पांच बेडरूम, वाइन सेलर, बार, होम थिएटर, स्विमिंग पूल और स्पा समेत एशोआराम की तमाम चीतें उपलब्ध हैं।

वॉर्न ने यह घर जब 2018 में खरीदा था तो इसके लिए 5.4 मिलियन डॉलर चुकाए थे। मौजूदा मार्केट के हिसाब से इस घर की कीमत 6.8 मिलियन डॉलर (51 करोड़ रुपये से अधिक) से 7.4 मिलियन डॉलर (55 करोड़ रुपये से अधिक) के बीच होने की उम्मीद है। इस तरह से वॉर्न के लिए यह डील घाटे की कतई नहीं दिख रही है।

न्यूज डायरी

कोरोना वायरस के कारण डब्ल्यूटीए, एटीपी ने सात जून तक स्थगित किया सेशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। महामारी घोषित हो चुके घातक कोरोना वायरस के कारण सभी पुरुष और महिला पेशेवर टेनिस टूर्नामेंट सात जून तक स्थगित कर दिए गए हैं। एटीपी और डब्ल्यूटीए ने बुधवार को घोषणा की कि क्लेकोर्ट का पूरा सत्र पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नहीं होगा। इससे एक दिन पहले फ्रेंच ओपन ने घोषणा की थी कि मई में क्ले कोर्ट पर होने वाला वर्ष का यह दूसरा ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट सितंबर तक स्थगित कर दिया गया है। एटीपी और डब्ल्यूटीए टूर ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह अप्रैल के आखिर या मई के शुरू तक टूर्नामेंटों को निलंबित कर सकता है। नई घोषणा के बाद जिन टूर्नामेंट पर असर पड़ेगा में उनमें पुरुष और महिलाओं के मैड्रिड और रोम टूर्नामेंट भी शामिल हैं। जिन टूर्नामेंट को रद्द किया गया है उनमें डब्ल्यूटीए के स्ट्रासबोर्ग (फ्रांस) और रबात (मोरक्को) तथा एटीपी के म्यूनिख, पुर्तगाल, जेनेवा और फ्रांस के लियोन में होने वाले टूर्नामेंट शामिल हैं।

मुश्किल में पड़ीं दुती चंद, ओलिंपिक खेलने की उम्मीदों को लगा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत की फर्राटा क्वीन दुती चंद के लिए ओलिंपिक्स का टिकट कटाना मुश्किल हो गया है क्योंकि कोविड–19 महामारी के कारण वह जर्मनी में अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले पा रही हैं। दुती को जर्मनी में दो मार्च से ओलिंपिक्स क्वॉलिफायर्स में भाग लेना था, लेकिन वीजा और प्रायोजन मिलने के बावजूद वह कोरोना वायरस के कारण नहीं जा सकीं। दुती ने कहा, 'मुझे जर्मनी में दो मार्च से प्रतिस्पर्धा में भाग लेना था। मुझे यूरोप में कुछ अच्छी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना था ताकि ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफाइ कर सकूं लेकिन कोरोना वायरस के कारण मेरी योजनाओं पर पानी फिर गया। उन्होंने कहा, मैंने वीजा और बाकी यात्रा दस्तावेज बना लिए थे और मैं जर्मनी जाने को तैयार थी कि मुझे वहां से संदेश मिला कि कोरोना वायरस के कारण मैं वहां नहीं आऊं। मैं बहुत निराश हूं।'

कोरोना को हल्के में ले रहा आईओसी और जापान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लुसाने। कोरोना महामारी के दुनियाभर में रोजाना बढ़ते कहर के बावजूद इंटरनैशनल ओलिंपिक्स कमिटी (आईओसी) के आयोजक इस बात पर लगभग अड़े हुए हैं कि तोक्यो–2020 के ग्रीष्मकालीन ओलिंपिक्स अपने नियत समय पर होकर रहेंगे। इस बीच हालांकि यूरोपियन फुटबॉल टूर्नामेंट (यूरो–2020), फॉर्म्युला वन ऑटो रेसिंग तथा अमेरिका में प्रफेशनल व कॉलेजिएट बास्केटबॉल जैसी अहम खेल प्रतियोगिताएं रद्द की जा चुकी हैं, लेकिन आईओसी अडिग है। इसके अलावा जापानी पीएम शिंजो आबे ने भी संकल्प जताया है कि जापान संक्रमण से पार पाकर ओलिंपिक्स का आयोजन बिना किसी समस्या के करेगा। भले ही आईओसी तथा जापान सरकार खतरे को कमतर दिखाकर आयोजन पर आमादा हों, लेकिन जो परिस्थितियां बन रही हैं उनमें खेलों की इस विश्व संस्था पर इसे रद्द करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। खुद टॉप ऐथलीटों द्वारा ही विरोध शुरू हो गए हैं और आईओसी पर खिलाड़ियों के स्वास्थ्य व कुशलता को जोखिम में डालने के आरोप लगने लगे हैं।

तीरंदाजों ने जारी रखी है मिशन तोक्यो की तैयारी, पुणे के आर्मी सेंटर में डटे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफाइ कर चुके खिलाड़ी पसोपेश में हैं कि अपनी तैयारी कैसे जारी रखें। कोरोना के कहर के बीच उनकी तैयारी भी बाधित हुई है और यह भी नहीं पता कि खेल होंगे या नहीं। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) ने इन हालात के बावजूद ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफाइ कर चुके खिलाड़ियों के लिए कैंप जारी रखा है। कोरोना के डर के बावजूद खिलाड़ी कैंप में डटे हुए हैं। भारतीय आर्चरी टीम इन दिनों पुणे के आर्मी सेंटर में प्रैक्टिस कर रहे हैं। ओलिंपिक्स में इस बार भी अनुभवी दीपिका कुमारी से उम्मीदें हैं। तैयारियों की चर्चा पर दीपिका कहती हैं, "लाइफ तो जैसे चल रही थी कुछ–कुछ वैसी ही है। लेकिन, बहुत डरे हुए हैं।